सर्वाइकल कैंसर
ca cervix

यह पत्रक आपको यह समझने में मदद करने के लिए है कि बच्चेदानी के मुख का कैंसर(सर्वाइकल कैंसर) क्या है, आपको किन जाँचों की आवश्यकता है और आपके लिए कौन से उपचार विकल्प उपलब्ध हैं।

सर्वाइकल कैंसर क्या है?

सर्वाइकल कैंसर गर्भाशय ग्रीवा में उत्पन्न होने वाला एक ट्यूमर है। यह दुनिया भर में महिलाओं में चौथा सबसे आम कैंसर है। स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और एडेनोकार्सिनोमा इसके दो सबसे आम प्रकार हैं। यह आमतौर पर महिलाओं को उनके छठे दशक में प्रभावित करता है, हालांकि प्री- कैंसर युवाओ में विकसित होता हैं।

सर्वाइकल कैंसर का क्या कारण है?

अधिकांश सर्वाइकल कैंसर (95% से अधिक) ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) नामक वायरल संक्रमण के कारण होते हैं। यह वायरस आमतौर पर यौन द्वारा फैलता है। लगभग 80% पुरुष और महिलाएं अपने जीवन के दौरान इस वायरस से संक्रमित होते है, लेकिन अधिकांश मामलों में संक्रमण अपने आप ही समाप्त हो जाता है। कुछ महिलाओं में, एचपीवी संक्रमण लम्बे समय तक रहता है और प्री- कैंसर में बदल सकता है, अगर कोई उपचार नहीं किया जाता है तो आगे चलकर यह सर्वाइकल कैंसर में बदल सकता है । स्वस्थ महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर विकसित होने में 15 से 20 साल का समय लगता है, हालांकि जब महिलाओं के प्रतिरक्षात्मक प्रणाली (इम्युनिटी) कमजोर हो, विशेषकर एचआईवी मामले में तब इसको होने में कम समय लगता है ।

सबसे आम लक्षण क्या हैं?

एचपीवी संक्रमण और प्री- कैंसर परिस्थितियों वाली महिलाएं अक्सर लक्षणहीन होती हैं। पहले चरण (अर्ली स्टेज) के कैंसर के लक्षण में हल्का और अनियमित रक्तस्राव, खासकर यौन संबंध के बाद, और असामान्य बदबूदार योनि स्राव शामिल हो सकता है। जब सर्वाइकल कैंसर बढ़ता है, तो अधिक गंभीर लक्षण, जैसे कि कूल्हे या पीठ का दर्द, वजन में कमी, थकान, भूख की कमी और योनि में असहजता दिखाई देते हैं ।

क्या सर्वाइकल कैंसर से बचाव संभव है ?

आजकल सर्वाइकल कैंसर को रोकने के लिए प्रभावी उपाय हैं। इनमें एचपीवी के खिलाफ टीकाकरण, स्क्रीनिंग और प्री- कैंसर परिस्थितियों का उपचार शामिल है। एचपीवी वैक्सीन का असर बेहतर होता है यदि यह एचपीवी के संपर्क से पहले (यौन जीवन की शुरुआत से पहले) दिया जाता है। बड़ी उम्र की महिलाये या महिलाये जिनमे पहले एचपीवी सम्बंधित बीमारी हो चुकी हो उनमे भी टीकाकरण बाद में होने वाले संक्रमण और सर्वाइकल रोग को रोक सकता है।कई विकसित देशों में सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग कार्यक्रम स्थापित किए गए हैं। इसमें आमतौर पर एचपीवी संक्रमण का परीक्षण और/या इस वायरस द्वारा उत्पन्न होने वाली परिस्थितियों की जाँच किया जाता है। सैंपल अधिकतर गाइनेकोलॉजिक परीक्षण के दौरान प्राप्त किया जाता है जहां एक पैप-स्मियर किया जाता है। स्क्रीनिंग प्रोग्राम में सर्वाइकल कैंसर की जाँच की जाती है।

सर्वाइकल कैंसर का निदान कैसे होता है?

जब स्क्रीनिंग के दौरान एचपीवी और संबंधित परिस्थितियों का पता लगता है, महिलाओं को निदान के लिए रेफर किया जाता है। इसमें सर्विक्स की जांच (जैसे कॉल्पोस्कोपी) और संदिग्ध जगह की बायोप्सी शामिल है ताकि निश्चित निदान प्राप्त हो सके। सर्वाइकल कैंसर को स्टेज करने के लिए इमेजिंग महत्वपूर्ण होती है।विशेषज्ञ सोनोग्राफर द्वारा किये गए अल्ट्रासाउंड द्वारा यह पता लगाया जा सकता है की सर्वाइकल कैंसर पेल्विस में कितना फैला हुआ है (लिम्फ नोड्स और ट्यूमर के अन्य क्षेत्रों में फैलने की जानकारी मिलती है)।मैग्नेटिक रिज़नेंस इमेजिंग (एमआरआई), कम्प्यूटेड टॉमोग्राफी (सीटी-स्कैन) और पॉजिट्रॉन इमिशन टॉमोग्राफी (पीईटी-सीटी) भी रोग की जांच के लिए उपयोगी होते हैं।

उपचार के विकल्प क्या हैं?

सर्वाइकल कैंसर के रोगियों का इलाज रोग कैंसर कितना फैला है और मरीज के सामान्य स्वास्थ्य जैसे कि क्या मरीज को रजोनिवृत्ति हो चुका है या मरीज भविष्य में बच्चा पैदा करना चाहती है पर निर्भर करता है। इसका इलाज सर्जरी या रेडियोथेरेपी (आमतौर पर कीमोथेरेपी के साथ), या केवल कीमोथेरेपी ± जैविक दवाओं द्वारा किया जाता है ।
ज्यादातर सर्वाइकल कैंसर का पता प्रारम्भिक अवस्था में हो जाता है । सर्जरी मुख्य उपचार है, लेकिन कभी-कभी सर्जरी की बजाय रेडियोथेरेपी या केमोरेडिएशन (केमोथेरेपी के साथ रेडियोथेरेपी) का उपयोग किया जाता है। सर्जरी में आमतौर पर गर्भाशय को हटाया जाता है, लेकिन जो महिलाये बच्चा पैदा करना चाहती है उनमे केवल सर्विक्स (बच्चेदानी का मुख) या उसका एक छोटा हिस्सा निकला जाता है । उन्नत रोग (एडवांस्ड स्टेज) की महिलाओ का इलाज किमोरडिएशन द्वारा किया जाता है जिसमे नसों से कीमोथेरेपी की दवा दी जाती है और साथ ही साथ रेडिएशन भी दिया जाता है ।

सर्वाइकल कैंसर की रेडिएशन थेरेपी में बाहरी रेडिएशन और ब्रैकीथेरेपी शामिल होती है। ब्रैकीथेरेपी में रेडिएशन बच्चेदानी और योनि में दिया जाता है जिससे आस पास के सामान्य उत्तक को बचाते हुए बच्चेदानी को ज्यादा रेडिएशन प्रदान करता है। जब कैंसर शरीर के दूसरे अंगों जैसे कि जिगर या फेफड़ों में फैल गया होता है, तो रेडिएशन थेरेपी के साथ या केमोथेरेपी का उपयोग किया जाता है जो कैंसर को कम करने और नियंत्रित करने और लक्षणों को राहत देने के लिए दिया जाता है। इसे पैलिएटिव उपचार कहा जाता है।

शुरुआती इलाज के बाद फॉलो अप (आगे की जाँच) क्या है?

सर्वाइकल कैंसर का इलाज कराने वाली महिलाओं को नियमित जांच के लिए जाना चाहिए। इसमें आपसे सामान्य स्वास्थ्य, लक्षणों के होने के बारे में या इलाज से संबंधित प्रतिक्रिया के बारे में पूछा जा सकता है और शारीरिक परीक्षण भी किया जाता है । खून की जाँच तथा अल्ट्रासाउंड स्कैन, छाती का एक्स-रे, एमआरआई, या सीटी-स्कैन भी किया जा सकता है । जांच की रणनीति को व्यक्तिगत रूप से तैयार किया जाना चाहिए क्युंकि मरीज का फॉलो अप बीमारी की तीव्रता, अवधि पर निर्भर करता है ।

मुझे और क्या सवाल पूछने चाहिए?

- मेरा कैंसर कितना उन्नत है?
- क्या मुझे सर्जरी करवानी चाहिए?
- क्या मुझे रेडियोथेरेपी मिलनी चाहिए?
- क्या मुझे कीमोथेरेपी या जैविक दवाओं का उपचार मिलना चाहिए?
- ठीक होने की संभावना क्या है?
- उपचार के साथ होने वाले दुष्प्रभाव क्या हैं?
- कौन से लक्षण से मुझे ट्यूमर के दोबारा होने के बारे में पता चलता है?